फिर आई नवरात्रि, मां के दरबार में लगाओ हाजिरी

असोला फतेहपुर बेरी स्थित पावन श्री सिद्ध शक्तिपीठ शनिधाम में शारदीय नवरात्र की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। दस विद्या और नौ देवियों का भव्य द्वार यहां सजाया गया है। मंदिर परिसर में मां के आह्वान के लिए गुफा भी तैयार की गई। यहां बनाई गई गुफा में विराजीं मय्या के दर्शन अनूपम हैं। मंदिर परिसर के हॉल में बने दरबार में मां अपने नौ रूपों में दर्शन देकर भक्ताओं को निहाल करेंगी। श्रीश्री1008 महामंडलेश्वर परमहंस दातीजी महाराज के सान्निध्य में इस पावन पर्व के दौरान चलने वाले मंत्र जाप से श्रद्धालु मां का असीम आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। हर बार की भांति इस वर्ष भी जगजननी मां दुर्गा की आराधना के लिए हजारों दंपति मंत्र जाप और अनुष्ठान में भाग लेंगे।

देश की खुशहाली के लिए आराधना : **चैत्र और शारदीय नवरात्रों में श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर परमहंस दाती जी महाराज देश की खुशहाली, विकास, एकता और अखंडता के लिए विशेष अनुष्ठान का आयोजन करते हैं। अनुष्ठान के दौरान वह नौ देवियों के अलग-अलग मंत्रों का जाप करते हैं।**

हर मनोकामना पूर्ण करती है त्रिकट जोत

नौ देवियों को प्रसन्न करने के लिए घट स्थापना के साथ ही यह जोत प्रज्वलित की जाती है। यह जोत नौ दिन तक अखंड रूप में अपनी छटा बिखेरती है।

महाज्योत हरती है विघ्न

यह ज्योत भी घट स्थापना के साथ ही प्रज्ज्वलित की जाती है और नौ दिन तक अखंड रहती है। यह ज्योत पिछले 36 वर्षों से प्रज्वलित है। दाती महाराज इस ज्योत को देश कल्याण के लिए प्रज्वलित करते हैं।

हवन होता है अनुपम

श्रीशनिधाम परिसर में रोजाना सुबह चार बजे से सात बजे, सांय चार बजे से पांच बजे और रात नौ से ग्यारह बजे तक मां का हवन कर आहूति दी जाती है। हवन के दौरान दाती महाराज की ओर से सम्पूर्ण देशवासियों के लिए मंगल कामना की जाती है।

अखंड ज्योत

यह ज्योत भी घट स्थापना के साथ ही प्रज्ज्वलित की जाती है और नौ दिन तक अखंड रहती है। इसके अलावा ढोल नगाड़ों के बीच मां की आरती की जाती है।